भारत सरकार

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **4284** जिसका उत्तर

शुक्रवार, 20 दिसंबर, 2024/29 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाना है

विंड असिस्टिड शिप

†4284. श्री माधवनेनी रघुनंदन राव :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार की भारतीय शिपयार्डों को विंड असिस्टिड शिप और अन्य जलयानों के निर्माण हेतु प्रोत्साहित करने की कोई योजना है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि कुछ देशों में तेल के विशाल टैंकरों द्वारा विंड असिस्टेन्स का उपयोग किया जा रहा है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) पोत परिवहन क्षेत्र में हरित ऊर्जा के क्षेत्र में कार्यरत फर्मों को प्रोत्साहित करने के लिए क्या कदम उठाए जाने का विचार है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री

(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) से (ङ): कुछ देशों में तेल टैंकरों पर विंड असिस्टिड प्रोप्लशन लगाया गया है, उदाहरण के लिए मेर्सक टैंकर्स ने 2018 में मेर्सक पेलिकन पर रोटर सेल्स की स्थापना के साथ अपने बेड़े में विंड असिस्टिड प्रोप्लशन प्रणाली (डब्ल्यूएपीएस) की शुरुआत की।

भारतीय शिपयार्डों को विंड असिस्टिड शिप्स और अन्य जलयानों का निर्माण करने हेतु बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएं तथा हरित ऊर्जा में कार्यरत फर्मों को पोत परिवहन क्षेत्र में बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदमों की सूची नीचे दी गई है:

(i) मंत्रालय ने निम्नलिखित को शामिल करने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकियों और मशीनरी के संबंध में स्वदेशी पोत निर्माण को बढ़ाने के लिए, पोत निर्माण वित्तीय सहायता नीति (एसबीएफएपी) दिशा-निर्देशों को संशोधित किया है :

क) विशेषीकृत जलयानों के रूप में विंड फार्म संस्थापित जलयानों तथा अत्याधुनिक ड्रेजर का निर्माण जो गैर-विशेषीकृत जलयानों के लिए ऊपरी सीमा 40 करोड़ रुपये के अतिरिक्त अधिकतम वित्तीय सहायता पाने के पात्र हैं।

ख) जलयानों के लिए 30% की वित्तीय सहायता जहां वे मैथेनॉल/ अमोनिया/ हाइड्रोजन ईंधन सेल्स जैसे हरित ईंधन के साधनों द्वारा चलाए जाते है।

ग) प्रणोदन के विद्युत साधन के साथ सुसज्जित जलयानों या हाइब्रिड प्रोप्लशन प्रणाली से सुसज्जित जलयानों के लिए 20% की वित्तीय सहायता।

(ii) पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने ग्रीन टग ट्रांजेशन प्रोग्राम (जीटीटीपी) शुरू किया है जिसका उद्देश्य कार्बन उत्सर्जनों को कम करना तथा पर्यावरण अनुकूल संवहनीय टगबोट प्रचालनों को अपनाने को प्रोत्साहित करके पर्यावरणीय प्रभाव को न्यूनतम करना है।

(iii) सरकार ने अंतर्देशीय जलमार्ग जलयानों में हरित प्रौद्योगिकियों को अपनाने को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अंतर्देशीय जलयानों हेतु हरित नौका दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

*****